सिंचाई विभाग

जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ
उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश

बाढ़ सुरक्षा के लिये युद्ध स्तर पर करें पुख्ता इंतजाम।

अधूरी राष्ट्रीय परियोजनाओं को इस वित्तीय वर्ष हर दशा में करे पूरा।

03 दिन से अधिक पत्रावली रोकने वालों के विरूद्ध होगी कडी कार्यवाही।

यांत्रिक दोष से बंद राजकीय नलकूपों को 24 घण्टें में हर दशा में चालू।

विलुप्त हो रही नदियों को पुर्नजीवित करने के लिये तत्काल बनाये डीपीआर।

–मा0 धर्मपाल सिंह सिंचाई मंत्री, उ0प्र0।

लखनऊ 17 अप्रैल, 2018

किसी भी स्तर पर तीन दिन से अधिक पत्रांवली लम्बित करने वालों के विरूद्ध की जायेगी कठोर कार्यवाही यह सख्त हिदायत सिंचाई मंत्री मां0 श्री धर्म पाल सिह ने आज अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दी।

सिंचाई मंत्री ने बंद पड़ी राष्ट्रीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया इसी वित्तीय वर्ष के अंत तक ये योजनाए हर दशा में पूर्ण हो जायें। समीक्षा के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि इन योजनाओं में अभी तक 60 प्रतिशत की

प्रगति हुई है। परियोजना वार प्रगति का विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रमुख अभियन्ता परियोजना श्री कुनाल कुलश्रेष्ठ ने बताया कि सरयू नहर परियोजना में अभी तक 70 प्रतिशत, बाढ़ सागर में 99 प्रतिशत, कनहर परियोजना में 60 प्रतिशत हुई हैं इसी क्रम में मध्य गंगा परियाजना में कार्य प्रगति पर हैं। बुंदेलखण्ड़ की 06 परियोजना पूर्ण कर ली गयी हैं। अन्य 13 परियोजनाए इस साल के अंत तक पूर्ण कर ली जाएगी। आपने यह भी बताया कि वर्षो से लम्बित पड़ी महॉत्वाकांक्षी बाण सागर परियोजना भी पूर्ण कर ली गयी है। केन बेतवा नदी जोडो परियोजना का कार्य प्रगति पर है।

सिंचाई मंत्री ने बाढ़ सुरक्षा की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अभी से बाढ बचाव कार्य की कार्ययोजना तैयार कर लें। सिंचाई मंत्री ने कहा कि वे शीघ्र ही गोरखपुर भ्रमण के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर कार्य की समीक्षा भी करेगें। प्रमुख अभियन्ता परिकल्प एवं नियोजन श्री ए0के सिंह ने बताया कि गत् वर्ष की 74 बाढ़ परियोजनाए पूर्ण कर ली गयी थी। इस वर्ष 183 चलित बाढ़ योजनाओं के साथ ही 77 नई योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हो गयी है जिन पर तुरन्त कार्य शुरू किया जा रहा है।

सिंचाई मंत्री ने कहा कि बाढ़ बचाव कार्य के लिए योगी सरकार पूर्णतः कृत संकल्पित है इसी क्रम में बाढ़ सुरक्षा कार्य को और प्रभावी बनाने के लिए बलरामपुर नया बाढ़ खण्ड़ सृजित किया गया हैं। जिससे कि इस क्षेत्र में बाढ़ नियत्रण की कार्यवाही प्रभावी रूप से की जा सके। सिंचाई मंत्री ने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि बाढ़ प्रभावित 16 अतिसंवेदनशील और 24 संवेदनशील जनपदों में प्रारम्भिक बैठक कर कार्ययोजना को अन्तिम रूप दें। जिससे कि बाढ़ के प्रकोप को समय रहते रोका जा सकें।

सिंचाई मंत्री ने **'वन ड्राप मोर क्राप'** पी0एम0 महात्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए राजकीय नलकूपों की जल वितरण प्रणाली के अधुनीकीकरण का कार्य एवं नवीन नलकूपों की संचालन व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि इस योजना को

जन सहभागिता के आधार पर संचालित किया जाए जिससे कि कम पानी में किसानों को अधिक पैदावार मिल सके।

समीक्षा के दौरान यह बात सामने आयी कि सिंचाई विभाग द्वारा प्रदेश में 30 राजकीय नलकूपों पर स्प्रिंकलर और फौव्वारा पद्धति से सिंचाई कर किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। निकट भविष्य में 424 नलकूपों पर यह व्यवस्था संचालित की जायेगी इसी तरह नारायणपुर पम्प नहर, ओगासी पम्प कैनाल व अलीगढ़ में एलजीसी, पीएलजीसी कैनालों पर सोलर पैनल स्थापित किये जा रहे है जनपद ललितपुर की 02 पम्प कैनालों पर सोलर पम्प कार्य कर रहे है।

सिंचाई मंत्री ने कहा कि जैसे विद्युल दोष से बंद 24 घण्टे में चालू करने के निर्देश है उसी तरह यांत्रिक दोष से बंद राजकीय नलकूपों को भी 24 घण्टे में संचालित किया जाए। विलुप्त हो रही नदियों को जनसहभागिता के आधार पर पुर्नजीवित करने हेतु डीपीआर बनाने की जरूरत पर बल देते हुए सिंचाई मंत्री ने कहा कि प्रथम चरण में चिन्हित की गयी 06 नदियों की योजना तैयार कर तुरंत प्रस्तुत करें। जिससे कि इस अभियान को नई दिशा मिल सकें।

बैठक में सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन श्री राजमणि यादव, विशेष सचिव सिंचाई श्री सारिका मोहन तथा जितेन्द्र राम त्रिपाठी, प्रमुख अभियन्ता परिकल्प एवं नियोजन श्री ए0के0 सिंह, प्रमुख अभियन्ता परियोजना श्री कुनाल कुलश्रेष्ठ एवं प्रमुख अभियन्ता यांत्रिक श्री सुनील कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

सम्पर्क सूत्रः मीडिया विषेशज्ञ, पैक्ट मो0-9412205971
email-isbr27@gmail.com फैक्स 0522-2237664